

भाषा संगम Bhasha Sangam

Marathi

Volume 13

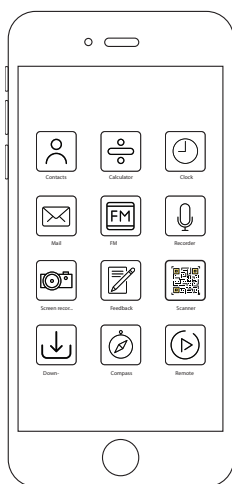


एक भारत श्रेष्ठ भारत

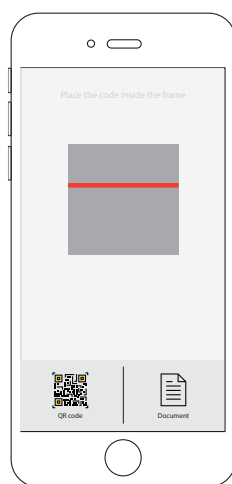
STEP-BY-STEP GUIDE FOR USERS TO ACCESS E-RESOURCES LINKED TO QR CODES

The coded box included in this book is called Quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios related to the sentences in the 22 languages given in the book. The first QR code is to access the complete e-book. The subsequent QR codes will help to access the relevant e-Resources linked to the languages in alphabetical order. This will help you enhancing your learning in joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your mobile phone or tablet.



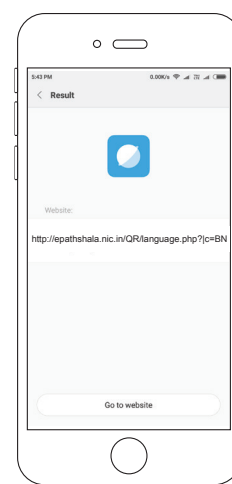
Install QR Code Scanner app from Play Store and open



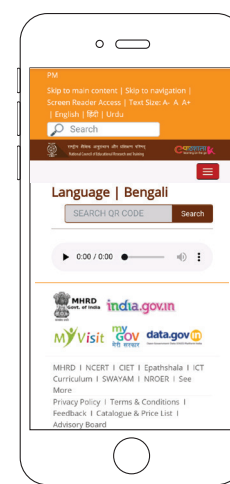
Get ready with QR code scanning window



Place scanner above the QR code




Select and click on the link



Use available e-Resource

For accessing the e-Resources on a computer or laptop follow the steps stated below:

1. Open the web browser like Firefox, Chrome etc. 
2. Go to the ePathshala website (<http://epathshala.gov.in>) and click on **Ek Bharat Shreshtha Bharat** Menu
3. Select the language and access the audio and video

भाषा संगम *Bhasha Sangam*



Marathi

Volume 13

एक भारत श्रेष्ठ भारत

धर्मेन्द्र प्रधान
धर्मेश प्रधान
Dharmendra Pradhan



मंत्री
शिक्षा; कौशल विकास
और उद्यमशीलता
भारत सरकार

Minister
Education; Skill Development
& Entrepreneurship
Government of India

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (NCERT), नई दिल्ली विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को रुचिकर एवं आनंदप्रद बनाने के उद्देश्य से बहुआयामी तथा रोचक गतिविधियों को तैयार कर रहा है।

हमारा देश 'विविधता में एकता' की भावना को सम्पुष्ट करने वाला देश है। बहुभाषिकता हमारे देश की अनूठी विशेषता है। हम आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से तो एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं ही, साथ ही भारतीय भाषाएं अंतर्भाषिक रूप से भी एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। इसलिए बहुभाषी होना हमें एक-दूसरे को जानने, समझने के साथ-साथ देश को भी मजबूती से जोड़ने में मदद करता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी बहुभाषिकता को एक ताकत के रूप में देखा गया है। शोध एवं अनुसंधानों से स्पष्ट है कि शुरुआती वर्षों में बच्चों में भाषा सीखने की अद्भुत क्षमता होती है। इसलिए कई भाषाओं के माध्यम से खेल-खेल में सीखने संबंधी अभ्यास करवाया जाए तो निश्चय ही बेहतर परिणाम होंगे। साथ ही, अन्य विषयों को सीखना भी आसान हो जाएगा। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा में उनकी मातृभाषाओं या आस-पास की भाषाओं के साथ-साथ अन्य भाषाओं से भी परिचय कराने का प्रावधान किया गया है। शुरुआती दौर में यह प्रयास हमारे संविधान में शामिल 22 भारतीय भाषाओं तथा अंग्रेजी के माध्यम से किया गया है, जिसका धीरे-धीरे अन्य भाषाओं तक विस्तार किया जाएगा।

एनसीईआरटी द्वारा बहुत ही रचनात्मक ढंग से अनेक बहुआयामी एवं रोचक गतिविधियों को तैयार किया गया है। इसके माध्यम से बच्चे खेल-खेल में पूरे देश की संस्कृति, समाज, भूगोल, रहन-सहन इत्यादि को जान सकते हैं। यह रचनात्मकता आकलन संबंधी रचनात्मकता की भी मांग करती है, इसलिए ऐसे कुछ आकलन संबंधी बिंदु भी इसमें शामिल किए गए हैं। एनसीईआरटी का यह प्रयास निश्चित ही पूरे भारत को एक सूत्र में बांधते हुए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को समृद्ध करेगा तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को व्यवहारिक रूप प्रदान करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

मैं संस्थान को इन उत्कृष्ट प्रयासों हेतु हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

धर्मेन्द्र
(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा



कौशल भारत, कुशल भारत

MOE - Room No. 3, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 115, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
MSDE - Room No. 516, 5th Floor, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001, Phone : 91-11-23465810, Fax : 011-23465825
E-mail : minister.sm@gov.in, minister.msde@gov.in

About Bhasha Sangam...

Language is a major instrument in shaping individuals, society, culture, learning and education, thinking and identity of people. Language learning, as we know, is fundamental to all learning and harmonious development of young children into citizens for a country. Learning many languages in school and in society is common in our country and almost all Indians are multilinguals. This multilingual characteristics of the country is reflected in school education as the school curriculum advocates learning of many languages.

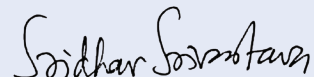
Bhasha Sangam is yet another effort in moving towards achieving the goal of education as also the vision of the Indian Constitution. **National Education Policy 2020**, while deliberating on language education in school underscores the need for recognising and promoting multilingualism as a path to realising the fundamental aims of education and schooling. The effort to enable our learners learn and use 100 sentences in the 22 languages will go in a long way in promoting language learning and understanding others through schooling. I sincerely hope that this programme of *Bhasha Sangam* is taken in all seriousness and implemented in schools to achieve the goals of education.

I wish all learners, teachers and head teachers the best to benefit the maximum from *Bhasha Sangam*.

भाषा वह माध्यम है जो प्रत्येक व्यक्ति, समाज, संस्कृति, शिक्षा, चिंतन और जन अस्मिता को स्वरूप प्रदान करता है। जैसा कि विदित है कि भाषा सीखना और सिखाना मानवता के लिए एक मूलभूत आवश्यक तत्त्व है। इसके परिणाम स्वरूप नागरिकों में एकता और सद्भावना विकसित होती है। विद्यालयों में अनेक भाषाओं का शिक्षण एक सामान्य बात है और लगभग सभी भारतीय बहुभाषी हैं। बहुभाषिकता की इसी विशेषता को लक्षित करते हुए स्कूली पाठ्यक्रम में बहुभाषिकता को प्रोत्साहन प्रदान करना आवश्यक है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत भाषा संगम एक प्रयास है जो यह सुनिश्चित करता है कि सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान और प्रसार हो। इसके अंतर्गत यह चेष्टा की गई है कि सभी शिक्षार्थी 22 भाषाओं में 100 वाक्यों को सीखने और बोलने का प्रयास करेंगे। इस प्रकार विभिन्न भाषाओं के प्रति समझ, रूचि और बोध संभव होगा।

मुझे पूरी आशा है कि भाषा संगम को पूर्ण गंभीरता से कार्यान्वित किया जाएगा, जिससे स्कूली शिक्षा के हमारे इस महती लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा। मैं सभी शिक्षार्थियों, अध्यापकों और विद्यालय प्रमुखों को भाषा संगम अभियान का लाभ उठाने की शुभकामनाएँ देता हूँ।



Sridhar Srivastava

Director

National Council of Educational Research and Training

New Delhi 110016

एक भारत श्रेष्ठ भारत भाषा संगम



आप और हम एक ऐसे देश में रहते हैं जहाँ थोड़ी-थोड़ी दूरी पर भाषा बदल जाती है। आप एक से ज़्यादा भाषा जानते, समझते, सुनते या बोलते होंगे, इस बात में कोई शक नहीं हो सकता। यह हमारे देश और समाज की खूबसूरती है। आपकी कक्षा में आने वाले बच्चे भी ऐसे पारिवारिक या सामुदायिक परिवेश से आ सकते हैं जहाँ एक से ज़्यादा भाषाएँ बोली जाती हों। संभावना ये भी है कि स्कूल में इस्तेमाल होने वाली भाषा बच्चों के परिवेश में मौजूद न हो। इस सामाजिक सच्चाई को स्कूल में उचित स्थान मिलना ज़रूरी है।

इन्हीं विविधताओं का सम्मान करते हुए और उन्हें आपस में जोड़े रखने के लिए “एक भारत, श्रेष्ठ भारत” के अंतर्गत ‘भाषा संगम’ कार्यक्रम की परिकल्पना की गई है। ‘भाषा संगम’ हमारे संविधान की आठवीं अनुसूची में निहित भारतीय भाषाओं से विद्यार्थियों को परिचित करवाने और बहुभाषिकता के प्रति जागरूक करने की ओर एक पहल है। इसके फलस्वरूप विद्यार्थी न केवल बहुभाषिकता के प्रति जागरूक होंगे बल्कि उस भाषा का इस्तेमाल करने वाले लोगों की सामाजिक, सांस्कृतिक व्यवहारों और संदर्भों को समझ पाएंगे।

भाषा संगम के उद्देश्य

- भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में निहित सभी 22 भारतीय भाषाओं से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।
- सभी भाषाओं के प्रति आदर और सम्मान को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थियों को इन भाषाओं के माध्यम से देश की अनूठी सांस्कृतिक छटाओं और व्यवहारों के समीप लाना।

भाषा संगम का क्रियान्वयन

भाषा संगम की शुरुआत में विद्यार्थियों को अलग-अलग भाषाओं के पाँच वाक्य सीखने के मौके दिये गए। फलस्वरूप विद्यार्थियों में इन भाषाओं को विस्तार से जानने की और इन भाषाओं को बोलने वाले लोगों के सांस्कृतिक, सामाजिक व भाषिक व्यवहार को जानने समझने की जिज्ञासा बढ़ी। इसलिए विद्यार्थियों को 22 भाषाओं में लगभग 100 वाक्यों के गुच्छे सीखने के लिए दिये जा रहे हैं। इन वाक्यों से परिचित कराने से पहले एक अपेक्षित माहौल बनाने की जरूरत होगी, जिससे कि दूसरी भाषाओं को सीखने में सुगमता और सहजता आ सके। हमारा विश्वास यह है कि विद्यार्थी इन्हीं वाक्यों तक सीमित न रह कर आगे बढ़ें।

- यह कार्यक्रम राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों के विद्यालयी शिक्षा विभाग द्वारा संचालित किया जाएगा।
- इस कार्यक्रम में संविधान में दी गई सभी 22 भाषाओं का समावेश किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 22 भारतीय भाषाओं में सरल व सामान्य रूप से इस्तेमाल होने वाले छोटे-छोटे वाक्य तैयार किए गए हैं जिन्हें सभी विद्यार्थियों के साथ एक पुस्तिका के रूप में साझा किया जाएगा।

पुस्तिका की प्रस्तुति/ रूपरेखा इस प्रकार है -

- इस पुस्तिका में दिये गए वाक्य संवाद शैली में बने हैं। ये वाक्य विद्यार्थियों के लिए प्रासंगिक एवं दैनिक जीवन से संबद्ध विषयों पर आधारित है।
- इन वाक्यों की रूपरेखा कुछ इस प्रकार से की गई है: पहले मूल भाषा में फिर देवनागरी लिपि में फिर उसका हिंदी अनुवाद - रोमन लिपि में व अंग्रेजी में अनुवाद किया गया है।
- इन विषयों पर आधारित वाक्यों को सीखने-समझने और अभ्यास करने के लिए 20 कार्य दिवस प्रस्तावित किए गए हैं।
- प्रत्येक विषय और उसके अंतर्गत आने वाले वाक्यों के लिए दिनों का निर्धारण सुझाया गया है। यदि किन्हीं दिनों में वाक्यों की संख्या अधिक है तो उनके अभ्यास के लिए आवश्यकतानुसार दिनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।
- औपचारिक रूप से इस पुस्तिका के इस्तेमाल के लगभग एक माह पहले उपयुक्त परिवेश बनाने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।
- अभीष्ट उद्देश्य की प्राप्ति के लिए इस प्रक्रिया को अभ्यास के द्वारा आगे के महीनों में भी दोहराया जा सकता है।
- इस परियोजना के दस्तावेजीकरण के लिए और विद्यालयों को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ सुझाव हैं, जैसे- विद्यालय विद्यार्थियों की प्रमुख गतिविधियों/दैनिक गतिविधियों के छायाचित्र और वीडियो तैयार कर 'अपलोड' करेंगे। राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेशों के विद्यालयी शिक्षा विभाग, डी.ई.ओ. और बी.ई.ओ. भी इन गतिविधियों की तस्वीरें और वीडियो राज्य स्तर, जिला स्तर या ब्लॉक/ संकुल स्तर पर 'अपलोड' कर सकते हैं। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के द्वारा 'अपलोड' की गई अथवा भेजी गई तस्वीरों और वीडियो के आधार पर सर्वश्रेष्ठ विद्यालय, सर्वश्रेष्ठ ब्लॉक, सर्वश्रेष्ठ जिला, सर्वश्रेष्ठ राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेश का चयन कर उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा।
- यदि कुछ विद्यार्थी अन्य भाषा बोलना और पढ़ना-लिखना जानते हैं तो उन्हें पढ़ने के लिए और दूसरों को पढ़ना-लिखना सिखाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसी प्रकार यदि कोई अध्यापक/ अध्यापिका, अभिभावक, सरकारी कर्मचारी या कोई अन्य उस भाषा को पढ़ सकते हों तो उन्हें उन वाक्यों को पढ़ने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।
- प्रस्तावित पुस्तिका और उससे संबंधित गतिविधियाँ अर्थपूर्ण और रोचक माहौल में आयोजित की जानी चाहिए ताकि बच्चे सीखी जाने वाली भाषा का इस्तेमाल रोजाना की आपसी बातचीत में करने की कोशिश करें। ऐसा करने में कुछ हँसी-मजाक का माहौल भी बन सकता है। शिक्षक भी बच्चों के साथ इस बातचीत में शामिल हों।

प्रस्तावित गतिविधियाँ

- यहाँ 12 विभिन्न विषयों पर लगभग 100 वाक्य दिए गए हैं। राज्य/विद्यालय किसी भी दूसरे राज्य की भाषा, बोलने और अभ्यास के लिए चुन सकते हैं। यह बातचीत प्रातःकालीन सभा में की जाएगी।
- विद्यार्थियों को इन वाक्यों पर पोस्टर तैयार कर उन्हें विद्यालयों में लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए अध्यापकगण उसी भाषा में बच्चों को संबोधित करेंगे और उनसे बातचीत करेंगे।
- विद्यार्थियों को इस बात के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा कि घर पर परिवार के सदस्यों के साथ इन वाक्यों को साझा करें।

- इस पहल/कार्यक्रम से संबंधित अन्य गतिविधियों का आयोजन विद्यालय अपने स्तर पर कर सकते हैं।
- इन भाषाओं के लोक-गीतों, प्रचलित गाने, खेल-गीत, कविताओं का इस्तेमाल इस भाषा के प्रति रुझान उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है।
- भूगोल, भाषा, इतिहास, पर्यावरण अध्ययन आदि विषय पढ़ाते समय ये संवाद/ वाक्य समुचित स्थान पर यथासम्भव उपयोग में लाए जा सकते हैं, क्योंकि ये संवाद/ वाक्य बच्चों के लिए प्रासंगिक विषयों पर आधारित हैं।

भाषा संगम एक ऐसा कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को देश के राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों और उनमें समाहित सांस्कृतिक, भाषिक विविधता को समझने का अवसर देगा। यह कार्यक्रम आपसी संवाद की एक पहल है।

आपके स्कूल में यह कार्यक्रम सुचारू रूप से चल सके उस के लिए आप कुछ तैयारी इस तरह से कर सकते हैं:

- विद्यालय प्रमुख स्कूल के सभी अध्यापकों के साथ इस कार्यक्रम से जुड़ी सामग्री को जरूर पढ़ें। पढ़कर उस पर चर्चा हो और कार्यक्रम के हर पहलू पर बातचीत हो। यह कार्यक्रम बहुभाषिकता की समझ पर टिका है इसलिए इस पर साझा समझ बनाना बेहद जरूरी है।
- अभिभावकों की साझेदारी इस कार्यक्रम में जरूरी है। शिक्षक अभिभावक संघ की मीटिंग के जरिये अभिभावकों को इस कार्यक्रम से परिचित करवाएं और उन्हें अपने विचार और सुझाव रखने को कहें।
- इस कार्यक्रम की सफलता के लिए जरूरी है कि स्कूल में सभी अपनी जिम्मेदारी जानते हों। कक्षा 4 से 8 तक पढ़ाने वाले शिक्षकों में से एक मुख्य समन्वयक की जिम्मेदारी ले लें और 2-3 शिक्षक सह-समन्वयक की भूमिका में मदद कर सकते हैं।

भाषा संगम के लिए तैयारी— कक्षा में माहौल बनाना

यह कार्यक्रम बच्चों के अनुभव क्षेत्र में एक ऐसी भाषा ले कर आ रहा है जो आमतौर पर आपके स्कूल के बच्चों ने कभी न सुनी हो, हो सकता है भाषा का नाम सुना हो पर भाषा सुनने का कभी मौका न मिला हो। यह भाषा अपरिचित तो लग ही सकती है, इस की ध्वनियाँ, वाक्यों का उतार-चढ़ाव, यह सब भी एक नयापन लिए सुनाई देंगे। बच्चों और खुद के कानों को इस भाषा की आवाजों और उच्चारणों की आदत डालनी होगी। इस के लिए आप महीने भर का समय लें और इस समय में भाषा को सुनने का मजा लें। इस मजे में भाषा से दोस्ती हो पाएगी।

सरल और सहज माहौल जिस में भाषा के कुछ खेल, गीतों, जनमानस में छाए लोक गीतों, बच्चों के लिए उपयुक्त फ़िल्मी गानों का भरपूर इस्तेमाल हो। पहेलियाँ और चुटकुले पीछे न रह जाएँ- खासकर वो जिनमें ध्वनियों, शब्दों का खेल हो। कुछ साधन-सामग्री तो आप तक पहुंच ही जाएगी पर इन्टरनेट का भी सहारा लें। सुनें, सुनाएं, गाएं, गुनगुनाएं, खेलें। आप के उत्साह और आप को आ रहे आनंद से बेहतर साधन-सामग्री असल में कुछ भी नहीं है। इस में आपको कक्षा में बहुत समय देने की जरूरत भी नहीं है। दिन में दो-दो बार 10-15 मिनट काफ़ी होंगे। बस आप की तैयारी पूरी रहे। ऐसा समय अच्छा हो सकता है जब बच्चे दिमागी कवायद से थक गए हों या फिर खाने से ठीक बाद के 10-15 मिनट या फिर घर जाने से पहले। यह पूरी कोशिश केवल कानों को नयी भाषा सुनने के लिए अभ्यस्त करने की है और उस में आनंद लेने की। इसे आप औपचारिकता से दूर रखें। इस महीने में बच्चों को किसी भी तरह से परखा न जाए।

- इस दौरान आप को कुछ ऐसे स्रोतों की जरूरत पड़ सकती है जिस से कक्षा में नयी भाषा सीखने का माहौल बन सके। नीचे कुछ ऐसे ही स्रोतों की सूची है जहाँ आपको विभिन्न भाषाओं में सामग्री मिल सकती है:

- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली
- राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
- जिलों के मंडल शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
- सांस्कृतिक संदर्भ एवं प्रशिक्षण केंद्र
- चिल्ड्रेन फिल्म सोसाइटी
- नेशनल बुक ट्रस्ट

सीखने की प्रक्रिया- बच्चों की प्रतिक्रियाएं

जब एक ऐसी भाषा बच्चों के कानों में पड़ेगी जो उन्होंने पहले नहीं सुनी तब बच्चों की प्रतिक्रियाएँ अलग-अलग तरह की होंगी। हो सकता है कुछ बच्चे शुरुआत में कोई दिलचस्पी न दिखाएं, हो सकता है कुछ को अटपटी लगी, कुछ को मजेदार लगे और कुछ इसका मज़ाक भी उड़ाएं। हमें सभी तरह की प्रतिक्रियाओं के लिए तैयार रहना होगा। हम जितने सम्मान, दिलचस्पी और उत्साह के साथ इस भाषा के साथ बच्चों का परिचय करवाएंगे बच्चों का रवैया भी भाषा के प्रति वैसा ही विकसित होगा।

रचनात्मक आकलन

आकलन के समय इस खयाल को ज़हन में रखना मददगार होगा कि कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को भाषा सिखा देना नहीं है। बीस दिन में यह संभव भी नहीं। सम्बंधित भाषा के ये वाक्य बच्चों को उस भाषा को सुनने का सन्दर्भ देते हैं। यह कार्यक्रम इन वाक्यों को यांत्रिक रूप से रटा देने का भी उद्देश्य नहीं रखता। **कार्यक्रम के दौरान अगर अपनी भाषा(ओं) से अलग भाषा(ओं) के प्रति हमारे रवैये में एक बदलाव आने लगे तो यह इस कार्यक्रम की सफलता का संकेत होगा।** बच्चों में ये समझ बन पाए कि देश (और संसार) में अनेक भाषाएँ हैं और ये भाषाएँ उतनी ही सक्षम और सुन्दर हैं जैसे की उनकी भाषा। भाषाओं के प्रति प्रेम और आदर इस समझ से ही पनप सकता है। हमारे आकलन के तरीके भी इस समझ को पहचानें – यह ज़रूरी है। आकलन का सन्दर्भ ऐसा ही हो जिसमें बच्चे भाषा के इस्तेमाल का आनंद ले सकें।

बीस दिन के केन्द्रित भाषा कार्यक्रम के दौरान बच्चों की प्रतिक्रियाओं, भागीदारी और उत्साह का आप अवलोकन करें। आप अपनी टिप्पणियों को एक नोटबुक में दर्ज करते रहें। अगर आपने महीना भर कक्षा में नयी भाषा के लिए माहौल बनाया है तो अवलोकन करना मुश्किल नहीं होगा। आकलन आप तीन स्तरों पर कर सकते हैं।

- कक्षा
- समूह या जोड़ों में

● हर बच्चे का

कार्यक्रम के सन्दर्भ में सुझाए गए इन वाक्यों के आधार पर बच्चों का आकलन सम्बंधित भाषा के अलग-अलग पहलुओं पर किया जा सकता है। वाक्यों को कई विषय-वस्तुओं में बाँधा गया है। इस तरह से हर विषय-वस्तु बातचीत का एक सुदृढ़ सन्दर्भ देती है। नीचे दिए हुए पांच प्रश्न भाषा के अलग-अलग पहलुओं पर केंद्रित हैं। **सम्बंधित भाषा की ध्वनियाँ, उसके शब्द, संदर्भ में शब्दों का अर्थ, कुछ मुख्य शब्दों को पहचान कर संदर्भ का अनुमान लगा पाना, संदर्भ में प्रश्न पूछ पाना। जैसे पहलू आकलन में शामिल हों।**

ध्यान दें कि यह आकलन किसी भी तरह से बच्चों की स्मरण शक्ति की जांच नहीं है। वैसे ही शुद्ध उच्चारण पर ज्यादा बल नहीं देना चाहिए क्योंकि किसी भी भाषा के उच्चारण में प्रांतीय प्रभाव स्वाभाविक है।

प्रश्न 1. क्या बच्चा सम्बंधित भाषा के वाक्यों को अन्य भाषाओं के वाक्यों से अलग सुन पाता है?

प्रश्न 2. क्या बच्चा (सुझाए गए इन वाक्यों में से) सुन कर विषय-वस्तु का अनुमान लगा पाता है?

प्रश्न 3. क्या बच्चा सुझाई गयी विषय-वस्तुओं पर केन्द्रित बातचीत के मुख्य शब्दों के अर्थ बता पाता है?

प्रश्न 4. क्या बच्चा सम्बंधित भाषा में पूछे गए प्रश्न का जवाब दे पाता है?

प्रश्न 5. सुझाई गयी विषय-वस्तुओं में से संदर्भ बताने पर क्या बच्चा सम्बंधित भाषा में प्रश्न पूछ पाता है?

ऊपर दिए गए प्रश्नों के जवाब पाने के लिए नीचे कुछ आकलन के तरीके सुझाए जा रहे हैं। आप इनको अपनी ज़रूरत और संदर्भ के हिसाब से बदल सकते हैं। आप उन बदलावों का या अपने बनाये तरीकों का विस्तृत विवरण ज़रूर रखें। तीन या चार भाषाओं के ऑडियो क्लिप बच्चों या बच्चे को सुनवाएं। सीखी जा रही भाषा के ऑडियो क्लिप को पहचानने के लिए कहें।

1. सम्बंधित भाषा में एक विषय-वस्तु पर बातचीत आप सुनाएं या दो बच्चों को रोले-प्ले करने के लिए कहें या फिर ऑडियो प्ले करें। बच्चों या बच्चे को बातचीत की विषय-वस्तु बताना है।
2. बातचीत की विषय-वस्तु बताने पर आप बच्चों या बच्चे से बातचीत में आए ऐसे शब्द और उनके अर्थ बताने के लिए कहें जिनके आधार पर उन्होंने विषय-वस्तु का अनुमान लगाया।
3. सुझाई गयी विषय-वस्तुओं में से किसी में से आप प्रश्न पूछें। बच्चे या बच्चा उस प्रश्न का उसी भाषा में जवाब दें।
4. आप एक सन्दर्भ का उल्लेख करें और बच्चों या बच्चे से पूछें की वे/वो सीखी जाने वाली भाषा में सन्दर्भ से जुड़ी बातचीत बताएं।

यह अच्छा होगा कि ये सभी गतिविधियाँ पहले पूरी कक्षा के साथ खेल-खेल में की जाएँ। बच्चों की अनुमान लगा पाने और अर्थ खोज पाने और समझने की क्षमता को सराहें। ये, दो कारणों से ज़रूरी है। भाषा की नींव अर्थ में है। दूसरा, रोजमर्रा की ज़िन्दगी में बहुभाषिकता में सटीकता पर जोर न हो कर एक-दूसरे को समझने की कोशिश होती है। कक्षा में भी हम समझने की कोशिश करें कि बच्चे क्या बताना चाह रहे हैं।

Ek Bharat Shreshtha Bharat Bhaashaa Sangam



We live in a country where language changes after a few kilometers. We appreciate, understand, listen to and speak more than one language. This is a beautiful aspect of our society and country. The students come to school with more than one language. There is a possibility that the language prevalent at the school may not be present in the child's social environment. This social reality must be recognised at school level.

Respecting the diversity and to keep all languages connected with one another, ***Bhaashaa Sangam*** under the programme, ***Ek Bharat, Shreshtha Bharat*** has been conceptualized. ***Bhaashaa Sangam*** reflects and realises the vision of the Indian Constitution on languages, linguistic and cultural diversity. This is a step towards creating an awareness and encouraging our students towards multilingualism. Consequently, students will not only become aware, but also understand socio-cultural behaviors of people using languages.

Objectives of Bhaashaa Sangam

- To familiarise students with the 22 Indian languages of the 8th schedule of the Indian Constitution.
- To foster linguistic harmony among students and promote national integration through learning of languages.
- To bring students closer to the unique cultural hues and diversity of our country through languages.

Implementation of Bhaashaa Sangam

In the first programme of *Bhaashaa Sangam*, students were exposed to and given opportunities to learn five sentences from the 22 scheduled languages. As a result, students developed curiosity to learn more about the languages and attempted to know more about the cultural, social as well as linguistic background of people who speak these languages. In this programme of *Bhaashaa Sangam*, students are being given bunches of about 100 sentences in the 22 languages. Appropriate environment needs to be created before introducing students to these sentences, so that these sentences can be learnt with ease and spontaneity. We believe that students will go beyond and become familiar with the languages.

- This programme will be operated and executed in all the states and union territories by the Education Department.
- All the 22 languages of the Indian Constitution are included in this programme. Short and simple sentences used in day-to-day life contexts have been prepared for this programme. These sentences are shared with schools, teachers and students in the form of audio, video with Indian Sign Language (ISL) and print booklet.

Presentation of the booklet

- The sentences given in this booklet are in dialogue form. These sentences are relevant and based on the subjects /topics from the daily lives of students.
- The sentences are presented in the following way: **i.** In the Indian language, **ii.** In Devanagari script, **iii.** In Hindi, **iv.** In Roman script and **v.** In English.
- 20 working days have been assigned to understand and practice the sentences in different topics for one language.
- Allocation of days has been suggested for every topic and the sentences under each topic. If sentences are more for a topic, number of days can be increased for practice as required.
- Process for preparation of a conducive environment should start one month prior to the formal introduction of the sentences.
- To achieve the desirable objectives, the same content can be practiced and repeated in the following months.
- For documentation of this project and motivation of the schools, there are some suggestions. For example, schools can upload pictures and videos of principal activities/ daily exercises of students. Education Departments, C.E.Os, D.E.O., B.E.Os in the States and Union Territories can also upload the pictures or videos of these activities at the Block / Centre /Zonal or State levels. Ministry of Education (MoE), School Education and Literacy Department, Government of India can select best school, best block, best district, best state / union territory on the basis of these pictures / videos and confer prizes to them.
- If a student knows the language of the neighbouring state (reading, writing, speaking), s/he should be encouraged to help other students learn the same. Similarly, if a teacher, parent any other government servant or any other person knows some other language they can be invited to read out the sentences for students.
- Proposed activities must be conducted in conducive and interesting environment, so that the students can use the language they are learning in their daily conversation. This can also create a fun atmosphere. Teachers should also participate in the conversations.

Proposed activities

There are about 100 sentences from different topics. **States / School systems can select a language of another state, practice and speak in the same language.**

- The dialogues / conversations will be practiced and done during the morning assembly and as and when students find time to do so.
- Students should be encouraged to prepare posters, infographics of depicting these sentences and display them on the notice boards or on walls in the schools.
- Teachers may address students in the same language to encourage them to use the language.
- Students would be encouraged to share these sentences with their family members and neighbours too.
- Activities related to this project can be organized at school level.
- To create further interest in the language, folk songs, popular songs, poems and game-songs can also be used.
- During the teaching of subjects like Languages, Geography, History and Science these sentences can be used at appropriate places in the right context as the sentences are relevant to the subjects and for students.

To conduct this programme efficiently in our schools we can prepare in the following ways

- The Head of School and all the teachers must read the content related to this programme. After reading the content, there should be a discussion about various aspects of the programme. This programme is to promote multilingualism, so a shared vision has to be developed.
- The participation of parents is essential for the success of the programme. Parents should be made aware of the programme through Parent Teacher Meetings (PTM). They should be encouraged to share their ideas and suggestions.
- For making this programme a success, it is important that everyone in the school must be aware of their responsibility. One of the teachers teaching classes 4th to 8th should take the responsibility as a coordinator and two or three teachers can take up the role of co-coordinators.

Preparation for multilingual class: Creating environment in the classroom

This programme will enable the students to experience a language that they might not have heard of in school. Probably, they may have heard the name of the language, but might not have any experience of listening to it. This language can not only be unfamiliar, but the

sounds, the voice modulations, all these can be very new to them. Students and teachers will have to familiarize themselves with the sounds and pronunciation of the language. We can spend an entire month on the same and enjoy listening to the new language. This engagement will result in friendship with the language.

Stress free, informal environment should be created with ample use of songs, games, popular folk songs and appropriate film songs. Riddles and jokes should not be left behind, especially those in which sounds and words are used in a playful manner. Materials will be made available to you but feel free to use resources from internet. Enjoy speaking, listening, playing, muttering and singing. No material is better than our enthusiasm and fun. We don't need to invest too much time in classroom for this. 10 to 15 minutes twice a day are enough. We should be well prepared. These 10 to 15 minutes can be scheduled whenever the students have time, after the lunch- break or in the last period. All efforts are only to make the ears habitual of listening to the new language and enjoy it. It has to be informal. No formal testing or evaluation should be done.

- During this period we may need some resources which will help us to create the right environment to learn a new language in the class. A list of such sources is enlisted here where we can find materials in different languages:
 - National Council of Educational Research and Training
 - State Council of Educational Research and Training
 - District Institutes for Education and Training
 - Centre for Cultural Resources and Training
 - Children Film Society
 - National Book Trust
 - Any other institution interested in Bhasha Sangam.

Process of learning: Children's responses

When children listen to a new language that they may not have heard earlier, they would respond differently. It is a possibility that at the earnest, some students may not show any interest in the language as they may find it strange, some may find it amusing and some others may even make fun of it. We should be prepared for all kinds of responses. The respect, interest and enthusiasm displayed by us, while introducing the new language to the students, will guide development of their attitude towards it.

Creative assessment

During assessment, it would be helpful to keep in mind that the objective of this programme is not to teach students the language; it is not possible in twenty days. Listening to these sentences of the reference language is attributed to listening of the language. Moreover, the objective of this programme is not rote memorization of these sentences. Rather, the change in our attitude towards a language that is different from the one that we are familiar with during the programme will be the signal of its success. The emergence of understanding among students that there are diverse languages in our country (and in the world) and are equally accomplished as well as beautiful as their own language will lead to love and respect for all languages. It is important that our assessment procedures should be able to recognize this understanding. The reference of assessment should be such that students are able to enjoy the usage of language.

During the programme for 20 days, we should observe the responses, participation and enthusiasm of students. Keep recording of your comments in a notebook. If we have been able to create a conducive environment for acquiring a new language during the initial month, then observation will not be a difficult task. We can do the assessment at three levels:

- As whole class group
- In small groups or pairs
- At individual student level

With reference to the programme, assessment on the basis of suggested sentences can be done on different aspects of the language. Sentences have been categorized in different topics. In this manner, every topic provides a novel context for communication. The five questions mentioned below, focus on various aspects of the language. Assessment can include words, meaning of words and sounds in context, identification of some prominent words and guessing their meaning in context, asking questions by referring to the context of the language. This assessment does not judge the memory power of the students in any way. Similarly, there should not be too much emphasis on correct pronunciation as regional variations in pronunciation of any language is obvious.

Question 1. Can students listen and differentiate between sentences of the reference language from other languages?

Question 2. Can students guess the context/ topic by listening to the suggested 100 sentences?

Question 3. Are the students able to come up with meanings of prominent words from the suggested topics in focused discussions?

Question 4. Can students answer the questions asked in the reference language?

Question 5. Can students ask a question from the suggested topics in the reference language, after becoming aware of the context?

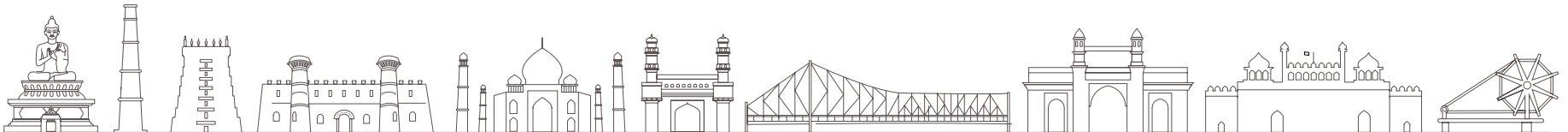
Some suggested methods for assessment of aforementioned questions are given below. You can change them according to the need

and the context. Keep a detailed record of the changes or self-created methods used for assessment.

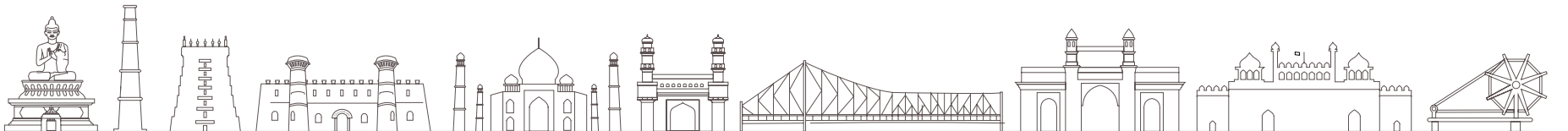
- Make students listen to 3 or 4 audio clips of different languages. Ask them to identify the audio clip of language they are learning.
- Let students listen to the conversation on a topic from the reference language or ask two students to perform a role play or play an audio clip. Students should be able to identify the subject or topic of the conversation.
- When students are able to identify the topic/ subject of conversation, ask them to reveal the words and their meanings that enabled them to guess the topic/ subject.
- Ask a question in the reference language from the suggested topics/ subjects. The students should be able to reply to the question in the same language.
- Give reference to a topic/ subject. Ask the students to carry on with the conversation in the same language.

It will be a good practice that all these activities are conducted in the classroom in play-way manner. Appreciate capacity for guessing, finding the meaning and understanding of the students. It is important for two reasons. The first is that the foundation of a language is inherent in finding the meaning of the utterances. The second is that everyday life does not focus on precision in multilingualism but on attempting to understand each other. Similarly, we should also try to understand what students want to convey.

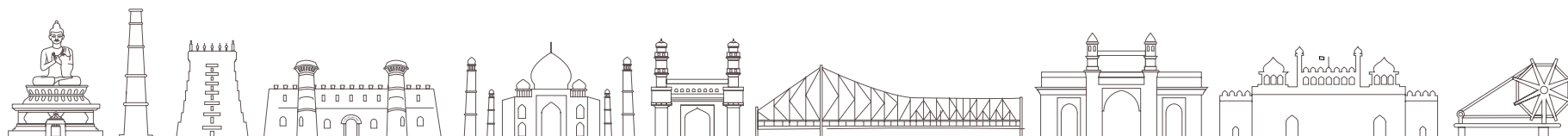
Marathi	Marathi Devanagri	Hindi	Marathi Roman	English
पहिला दिवस परिचय	पहिला दिवस परिचय	पहला दिन जान-पहचान	Pahila diwas Parichay	First day Introduction
तुझं नाव काय आहे?	तुझं नाव काय आहे?	आपका नाम क्या है?	Tujh nav kay aahe?	What is your name?
माझं नाव पारमी आहे.	माझं नाव पारमी आहे.	मेरा नाम पारमी है।	Majh nav Parmi aahe.	My name is Parmi.
तू कोणत्या वर्गात शिकते/ शिकतो?	तू कोणत्या वर्गात शिकते/ शिकतो?	आप किस कक्षा में पढ़ती/ पढ़ते हैं?	Tu konatya vargat shikate/ shikto?	In which class do you study?
मी सहाव्या वर्गात शिकते/ शिकतो	मी सहाव्या वर्गात शिकते/ शिकतो.	मैं कक्षा छठी में पढ़ती/पढ़ता हूँ।	Mi sahavya vargat shikate/ shikto.	I study in Class VI.
तुझ्या आई-वडिलांचे नाव काय आहे?	तुझ्या आई-वडिलांचे नाव काय आहे?	आपके माँ-पिता का नाम क्या है?	Tujhya aai -vadilanche nav kay aahe?	What are the names of your parents?
माझ्या आई चे नाव मेघा आणि वडिलांचे नाव पंकज आहे.	माझ्या आई चे नाव मेघा आणि वडिलांचे नाव पंकज आहे.	मेरी माँ का नाम मेघा और पिता का नाम पंकज है।	Majhya aaiche nav Megha ani vadilanche nav Pankaj aahe.	My mother's name is Megha and my father's name is Pankaj.



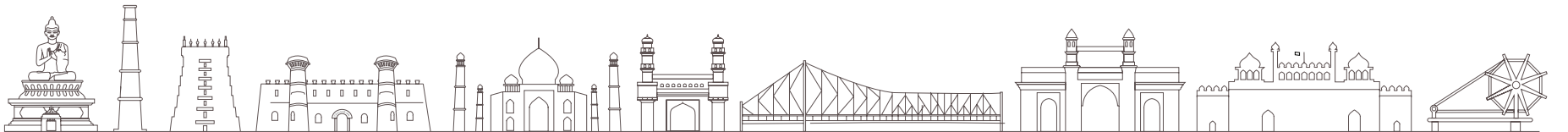
Marathi	Marathi Devanagri	Hindi	Marathi Roman	English
तू कुठे रहाते/ रहातो?	तू कुठे रहाते/ रहातो ?	आप कहाँ रहती/ रहते हैं?	Tu kuthe rahate/ rahato?	Where do you live?
मी नागपुर मध्ये रहाते/ रहातो.	मी नागपुर मध्ये रहाते/ रहातो.	मैं नागपुर में रहती/ रहता हूँ।	Mi nagpur madhye rahate/ rahato.	I live in Nagpur.
दुसरा आणि तिसरा दिवस माझी शाळा	दुसरा आणि तिसरा दिवस माझी शाळा	दूसरा और तीसरा दिन मेरा विद्यालय	Dusara aani tisara diwas Majhee shala	Second & third day My school
तुझ्या शाळेचे नाव काय आहे?	तुझ्या शाळेचे नाव काय आहे?	आपके विद्यालय का नाम क्या है?	Tujhya shaleche nav kay aahe?	What is the name of your school?
माझ्या शाळेचे नाव राजकीय बाल विद्यालय आहे.	माझ्या शाळेचे नाव राजकीय बाल विद्यालय आहे.	मेरे विद्यालय का नाम राजकीयबालविद्यालय है।	Majhya shaleche nav rajkiya bal vidyalaya aahe.	The name of my school is Rajkiya Bal Vidyalaya.
तुझे वर्ग शिक्षक कोणता विषय शिकवितात?	तुझे वर्ग शिक्षक कोणता विषय शिकवितात?	आपके कक्षा अध्यापक कौन-सा विषय पढ़ाते हैं?	Tujhe vargshikshak konata vishay shikavitat?	What subject does your class teacher teach?
माझे वर्ग शिक्षक मराठी भाषा शिकवितात.	माझे वर्ग शिक्षक मराठी भाषा शिकवितात.	मेरे कक्षा अध्यापक मराठी भाषा पढ़ाते हैं।	Majhe vargshikshak marathi bhasha shikavitat.	Our class teacher teaches Marathi language.



Marathi	Marathi Devanagri	Hindi	Marathi Roman	English
तुला कोणता विषय जास्त आवडतो?	तुला कोणता विषय जास्त आवडतो?	आपकी किस विषय में अधिक रुचि है?	Tula konata Vishay jast aavadato?	Which subject interests you the most?
मला भाषा हा विषय आवडतो.	मला भाषा हा विषय आवडतो.	मुझे भाषा पढ़ना अच्छा लगता है।	Mala bhasha ha vishay aavadto.	I like learning languages.
तुला भाषा हा विषय का आवडतो?	तुला भाषा हा विषय का आवडतो?	आपको भाषा पढ़ना क्यों अच्छा लगता है?	Tula bhasha ha Vishay ka aavadto?	Why do you like learning languages?
कारण ह्यात कविता, कथा आणि नाटके असतात.	कारण ह्यात कविता, कथा आणि नाटके असतात.	इसमें कविताएँ होती हैं, इसमें कहानियाँ होती हैं, इसमें नाटक होते हैं।	Karan hyat kavita,katha,ani natake astat.	I like learning languages because they have poetry, stories and drama.
हो-हो, नाटक तर आपण पण करू शकतो.	हो-हो, नाटक तर आपण पण करू शकतो.	हाँ-हाँ, नाटक तो हम खेल भी सकते हैं।	Ho ho natak tar aapan pan karu shakato.	Yes, we can play dramas.
तू कोण-कोणती भाषा बोलू शकतो?	तू कोण-कोणती भाषा बोलू शकतो?	आप कौन-कौन सी भाषायें बोल सकते हैं?	Tu kon -konati bhasha bolu shakato?	Which are the languages you can speak?



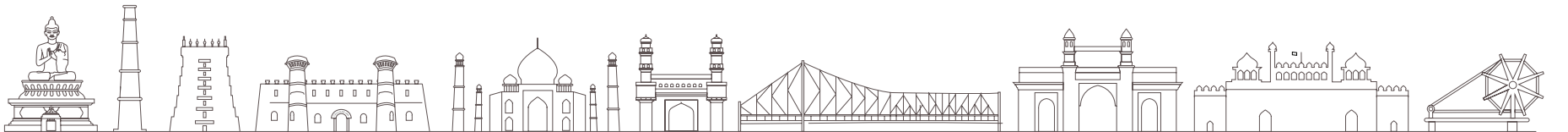
Marathi	Marathi Devanagri	Hindi	Marathi Roman	English
मी इंग्रजी, मराठी, हिंदी, आणि कोकणी बोलू शकतो.	मी इंग्रजी, मराठी, हिंदी, आणि कोकणी बोलू शकतो.	मैं अंग्रेजी, मराठी, हिंदी और कोकणी बोल सकता हूँ।	Mi Engraji, Marathi, Hindi, ani Koknee bolu shakato.	I can speak English, Marathi, Hindi and Konkani.
चौथा दिवस माझे आई-वडील	चौथा दिवस माझे आई-वडील	चौथा दिन मेरे माता-पिता	Choutha diwas Maajhe aai-vadil	Fourth day My Parents
तुझ्या घरी जेवण कोण बनवतं?	तुझ्या घरी जेवण कोण बनवतं?	आपके घर में खाना कौन बनाता है?	Tujhya ghari jevan kon banavata?.	Who cooks food in your house?
माझ्या घरी आई तर कधी बाबा जेवण बनवतात.	माझ्या घरी आई तर कधी बाबा जेवण बनवतात.	हमारे घर में कभी माँ और कभी पिताजी खाना बनाते हैं।	Majhya ghari aai tar kadhi baba hi jevan banavatat.	Either my father or mother cook food in our house.
तुला शाळेत कोण पोहचवून देतं?	तुला शाळेत कोण पोहचवून देतं?	आपको स्कूल कौन पहुँचाता है?	Tula shalet kon pohachvun deta?	Who drops you at school?
मला शाळेत सोडायला कधी आई तर कधी बाबा येतात.	मला शाळेत सोडायला कधी आई तर कधी बाबा येतात.	मुझे स्कूल छोड़ने कभी माँ और कभी पिताजी आते हैं।	Mala shalet sodayala kadhi aai tar kadhi baba yatata.	Either my father or my mother drop me at school.



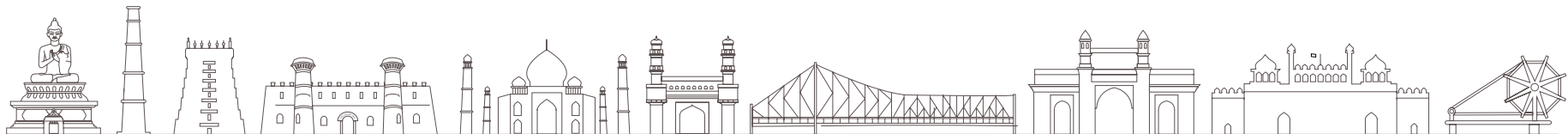
Marathi	Marathi Devanagri	Hindi	Marathi Roman	English
पालक सभेसाठी कोण येतं?	पालक सभेसाठी कोण येतं?	अभिभावक-शिक्षक (पैरेंट-टीचर) मीटिंग में कौन आता है?	Palak sabhesathi kon yeta?	Who comes to attend parent-teacher meeting?
पालक सभेसाठी कधी आई तर कधी बाबा येतात.	पालक सभेसाठी कधी आई तर कधी बाबा येतात.	पीटीएम में कभी माँ और कभी पिताजी आते हैं।	Palak sabhesathi kadhi aai tar kadhi baba yetat.	Sometimes my father and sometimes my mother come to the PTM.
पाचवा दिवस अन्न आणि पेय	पाचवा दिवस अन्न आणि पेय	पाचवाँ दिन खान-पान	Pachawa diwas Anna aani peya	Fifth day Food
तुला जेवणात काय आवडते?	तुला जेवणात काय आवडते?	आपको खाने में क्या पसंद है?	Tula jevanat kay aavadata?	What do you like to eat mostly?
मला खायला खिचड़ी आवडते.	मला खायला खिचड़ी आवडते.	मुझे खाने में खिचड़ी खाना पसंद है।	Mala khayala khichadi aavadata.	I like to eat khichdi.
तुमच्या कडे कोणतं फळ जास्त मिळते?	तुमच्या कडे कोणतं फळ जास्त मिळते?	आपके इलाक़े में कौन सा फल ज़्यादा मिलता है?	Tumachya kade konate fal jasta milate?	Which fruit is plentifully available in your area?



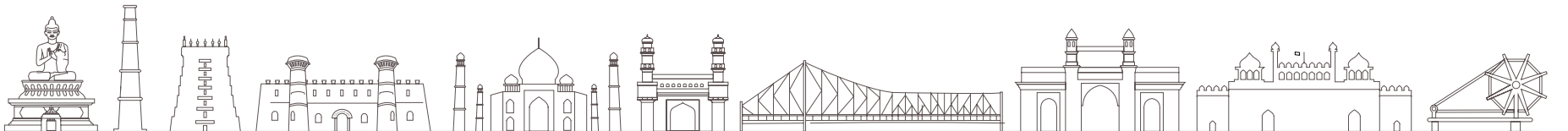
Marathi	Marathi Devanagri	Hindi	Marathi Roman	English
आमच्या इथे पेरू, पपई जास्त मिळते, पण मला केळी आवडतात.	आमच्या इथे पेरू, पपई जास्त मिळते, पण मला केळी आवडतात.	हमारे यहाँ अमरूद, पपीता ज्यादा मिलता है। लेकिन मुझे केला पसंद है।	Aamchya ithe peru,papai,jasta milate.pan mala keli aavadtat.	Guava and Papaya are available in my area, but I like Banana.
सहावा दिवस आरोग्य	सहावा दिवस आरोग्य	छठा दिन स्वास्थ्य	Sahawa diwas Aarogya	Sixth day Health
तू सकाळी किती वाजता उठते/ उठतो?	तू सकाळी किती वाजता उठते/ उठतो?	आप सुबह कब जागती हैं/ जागते हैं?	Tu sakali kitila uthte/ uthto?	At what time do you get up in the morning?
मी सकाळी सहा वाजता उठते/ उठतो	मी सकाळी सहा वाजता उठते/ उठतो	मैं सुबह छः बजे उठती/उठता हूँ।	Mi sakali 6 vajata uthate/ uthato.	I get up at six O'clock in the morning.
तुम्ही दररोज व्यायाम करता का?	तुम्ही दररोज व्यायाम करता का?	क्या आप प्रतिदिन कसरत करती/करते हैं?	Tumhi darroj vyayam karta ka?	Do you exercise everyday?
हो ! मी योग करते/करतो.	हो ! मी योग करते/करतो.	हाँ! मैं योग करती/करता हूँ।	Ho mi yoga karate/ karato.	Yes, I do yoga.



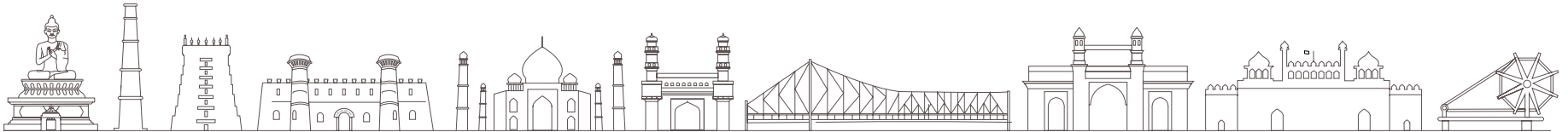
Marathi	Marathi Devanagri	Hindi	Marathi Roman	English
तुझ्या शाळेत कुणी योग शिक्षक/ शिक्षिका आहे का?	तुझ्या शाळेत कुणी योग शिक्षक/ शिक्षिका आहे का?	आपके स्कूल में कोई योग शिक्षक/शिक्षिका हैं?	Tujhya shalet koni yoga shikshak/ shikshika aahe?	Is there a yoga teacher in your school?
हो माझ्या शाळेत योग शिक्षिका / शिक्षक आहेत.	हो माझ्या शाळेत योग शिक्षिका / शिक्षक आहेत.	हाँ, हमारे स्कूल में योग शिक्षिका / शिक्षक हैं।	Ho, majhya shalet yoga shikshika/ shikshak aahet.	Yes, we have a yoga teacher in our school.
ते/ त्या आम्हाला योग आणि इतर व्यायाम शिकवितात.	ते/ त्या आम्हाला योग आणि इतर व्यायाम शिकवितात.	वे हमें योग और दूसरे व्यायाम सिखाती/ सिखाते हैं।	Te ty aamhala yoga ani itar vyayam shikavitat.	She teaches us yoga and other excercises.
सातवा दिवस खेळ	सातवा दिवस खेळ	सातवाँ दिन खेल-कूद	Satawa diwas Khel	Seventh day Games and Sports
तुला खेळायला आवडतं का?	तुला खेळायला आवडतं का?	आपको खेलना पसंद है?	Tula khelayala aavadata ka?	Do you like to play?
हो, मला फुटबॉल खेळायला आवडतं.	हो, मला फुटबॉल खेळायला आवडतं.	हाँ, मुझे फुटबॉल खेलना पसंद है।	Ho, mala football khelayala aavdata.	Yes. I like to play football.
मला इनडोर गेम आवडतात आणि तुला?	मला इनडोर गेम आवडतात आणि तुला?	मुझे इनडोर गेम पसंद है और आपको?	Mala indore game avadtat ani tula?	I like indoor games and what about you?



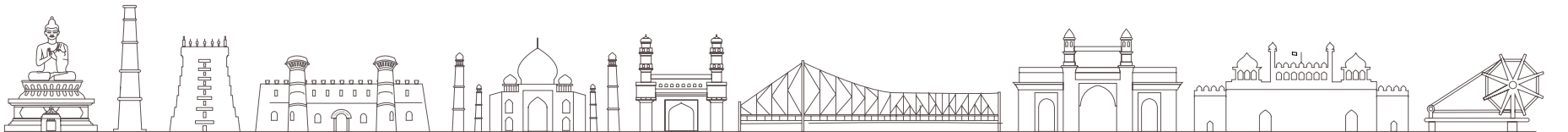
Marathi	Marathi Devanagri	Hindi	Marathi Roman	English
हो,मला सुद्धा. मी टेबल-टेनिस खेळतो / खेळते/	हो,मला सुद्धा. मी टेबल-टेनिस खेळतो / खेळते	हाँ, मुझे भी। मैं टेबल-टेनिस खेलता /खेलती हूँ।	Ho, mala suddha,mi tabale-tenis khelto/ khelte.	I too. I play table tennis.
तु व्हिडिओ गेम खेळतोस/ खेळतेस का?	तु व्हिडिओ गेम खेळतोस/ खेळतेस का?	आप वीडियो गेम खेलते/ खेलती हैं?	Tu video game kheltos /kheltes ka?	Do you play video games?
नाही, मला व्हिडिओ गेम आवडत नाही. मला मैदानी खेळ आवडतात, जसे की कबड्डी.	नाही, मला व्हिडिओ गेम आवडत नाही. मला मैदानी खेळ आवडतात, जसे की कबड्डी.	नहीं, मुझे वीडियोगेम पसंद नहीं है। मुझे बाहर खेलना पसंद है, जैसे कबड्डी	Nahi,mala video game aavadat nahi,mala maidani khel aavadtat,jase ki kabddi.	No, I don't like video games. I play outdoor games like Kabaddi.
आठवा, नववा आणि दहावा दिवस परिसर	आठवा, नववा आणि दहावा दिवस परिसर	आठवाँ, नौवाँ और दसवाँ दिन हमारे आस-पास	Aathava navava ani dahawa diwas Parisar	Eighth, Ninth and Tenth day Our Surroundings
तुमच्या भागात कोणती नदी वाहते?	तुमच्या भागात कोणती नदी वाहते?	आपके इलाके में कौन-सी नदी बहती है?	Tumchya bhaagaat konati nadi vahte?	Which river flows in your area?



Marathi	Marathi Devanagri	Hindi	Marathi Roman	English
आमच्या भागातून नाग नदी वाहते.	आमच्या भागातून नाग नदी वाहते.	मेरे इलाके में नाग नदी बहती है।	Aamchya bhaagaatoon Nag nadi vahte.	River Nag flows through my village.
तिच्या किनारी खूप बागा आहेत.	तिच्या किनारी खूप बागा आहेत.	उसके किनारे बहुत सारे बगीचे हैं।	Tichya kinari khup baaga aahet.	There are many gardens on banks of it.
आम्ही सगळे तिथे फिरायला जातो.	आम्ही सगळे तिथे फिरायला जातो.	हम सब वहाँ घूमने जाते हैं।	Aamhi sagle tithe firayla jato	We go there for a stroll.
तुम्हीं फिरायला कुठे जाता?	तुम्हीं फिरायला कुठे जाता?	आप कहाँ घूमने जाते हैं?	Tumhi firayla kuthe jata?	Where do you go for a stroll?
आम्ही बागेत फिरायला जातो.	आम्ही बागेत फिरायला जातो.	हम पार्क में घूमने जाते हैं।	.Aamhi baget firayla jato.	We go to the park for a stroll.
आमच्या शहराबाहेर एक डोंगर आहे.	आमच्या शहराबाहेर एक डोंगर आहे.	हमारे शहर के बाहर एक पहाड़ है।	Aamchya shahrabaher ek dongar aahe.	There is a mountain outside our town.
ही फिरण्यासाठी छान जागा आहे.	ही फिरण्यासाठी छान जागा आहे.	यह घूमने की बहुत अच्छी जगह है।	Hee firnyasathi chhan jaga aahe.	This is a nice place to move around.



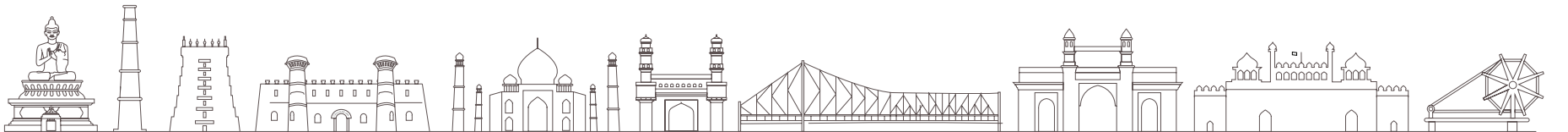
Marathi	Marathi Devanagri	Hindi	Marathi Roman	English
तुमच्या भागात शेतं आहेत का?	तुमच्या भागात शेतं आहेत का?	आपके इलाके में खेत हैं?	Tumchya bhaagaat shet aahet ka?	Are there fields in your area?
हो, आमच्या भागात भरपूर शेतं आहेत.	हो, आमच्या भागात भरपूर शेतं आहेत.	हाँ हमारे इलाके में बहुत खेत हैं।	Ho aamchya bhaagaat bharpur shet aahet.	Yes, these are many fields in our area.
तिथे जंगल सुद्धा आहे.	तिथे जंगल सुद्धा आहे.	वहाँ जंगल भी है।	Tithe jungle suddha aahe	There is also a jungle here.
त्या जंगलात एक झरा आहे.	त्या जंगलात एक झरा आहे.	उस जंगल में एक झरना है।	Tya jungalat ek jhara aahe.	There is a stream in the jungle.
तू झरा बघितला आहे का?	तू झरा बघितला आहे का?	आपने झरना देखा है?	Tu jhara baghitla aahe ka?	Have you seen a stream?
नाही मला बघायचा आहे.	नाही मला बघायचा आहे.	नहीं, मैं देखना चाहूँगी/चाहूँगा।	Nahi mala baghayacha aahe.	No, I would like to see one.
आमच्या गावी ये, मी तुला झरा दाखवेन.	आमच्या गावी ये, मी तुला झरा दाखवेन.	हमारे गाँव आना, मैं तुम्हें झरना दिखाऊँगी/दिखाऊँगा।	Majhya gavi ye mi tula jhara dakhaven.	Come to our village, I will show you the stream.



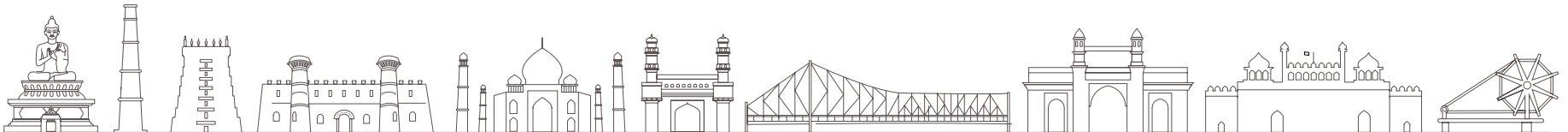
Marathi	Marathi Devanagri	Hindi	Marathi Roman	English
अकरावा दिवस हवामान	अकरावा दिवस हवामान	ग्यारहवाँ दिन मौसम	Akrava diwas Hawamaan	Eleventh day Weather
आज खूप गरम होतय, आता पाउस यायला हवा.	आज खूप गरम होतय, आता पाउस यायला हवा.	उफ़ आज बहुत गर्मी हो रही है। अब वर्षा होनी चाहिए।	Aaj khup garam hotay,aata paus yayla hava.	Oh! Its too hot today. I wish it rains now.
तुमच्या भागात हवामान कसे आहे?	तुमच्या भागात हवामान कसे आहे?	आपके क्षेत्र में मौसम कैसा है?	Tumchya bhagat havaman kase aahe?	How is the weather (like) in your area?
इथे हवामान बहुतांश सामान्य किंवा गरम असते.	इथे हवामान बहुतांश सामान्य किंवा गरम असते.	यहाँ का मौसम ज्यादातर सामान्य या गरम रहता है।	Itthe havaman bahutansha samanya kimva garam asate.	The weather there is moderate or hot generally?
तू वाळवंट बघितले आहे का?	तू वाळवंट बघितले आहे का?	क्या आपने रेगिस्तान देखा है?	Tu valvant baghitle aahe ka?	Have you seen a desert?
नाही मी वाळवंट बघितले नाही.	नाही मी वाळवंट बघितले नाही.	नहीं, मैंने रेगिस्तान नहीं देखा।	Nahi, mi valvant baghitle nahi.	No, I have not seen a desert.
पण तिथे खूप गर्मी असते.	पण तिथे खूप गर्मी असते.	वहाँ तो बहुत गर्मी होती है।	Pan tithe khup garmi aste.	It's very hot there.



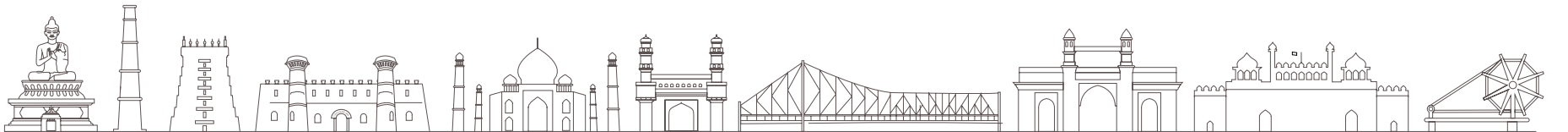
Marathi	Marathi Devanagri	Hindi	Marathi Roman	English
हो, पण रात्री वाळू थंड होते.	हो, पण रात्री वाळू थंड होते.	हाँ, लेकिन रात में रेत ठंडी हो जाती है।	Ho,pan ratri valu thand hote.	Yes but the sand becomes cold at night.
मला पण वाळवंट बघायचे आहेत	मला पण वाळवंट बघायचे आहेत	मैं भी रेगिस्तान देखना चाहती/ चाहता हूँ।	Mala pan valvant baghayche aahe.	I would like to see the desert.
मागील वर्षी उन्हाळ्याच्या सुट्टीत मी माझ्या कुटुंबासोबत पर्वतावर फिरायला गेलो / गेले होतो.	मागील वर्षी उन्हाळ्याच्या सुट्टीत मी माझ्या कुटुंबासोबत पर्वतावर फिरायला गेलो / गेले होतो.	मैं पिछली गर्मी की छुट्टियों में अपने परिवार के साथ पहाड़ों में घूमने गया / गयी था।	Mi magchya unhalyachya suddit mazya kutumbasobat parwatavar firayla gelo / gele hoto.	Last summer holidays I had visited Himalayas with my family.
तिथे हिवाळ्यात खूप बर्फ पडतो.	तिथे हिवाळ्यात खूप बर्फ पडतो.	वहाँ सर्दियों में बहुत बर्फ गिरती है।	Tithe hiwalyat khup barfa padato.	It snows a lot during winter.



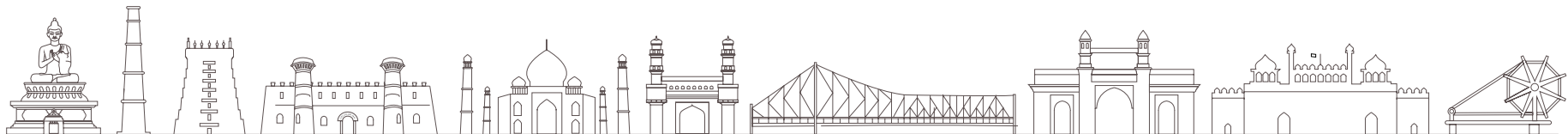
Marathi	Marathi Devanagri	Hindi	Marathi Roman	English
बारावा,तेरावा,चौदावा आणि पंधरावा दिवस सणवार	बारावा, तेरावा, चौदावा आणि पंधरावा दिवस सणवार	बारहवाँ, तेरहवाँ, चौदहवाँ और पंद्रहवाँ दिन उत्सव-त्योहार	Barawa, terava, choudava, pandhrava diwas Sanvar	Twelfth, Thirteenth, Fourteenth and Fifteenth day Festival
तुझा आवडता सण कोणता आहे?	तुझा आवडता सण कोणता आहे?	आपका पसंदीदा त्योहार कौन सा है?	Tuza aavadata san konata aahe?	What is your favorite festival?
माझा आवडता सण दिवाळी आहे.	माझा आवडता सण दिवाळी आहे.	मेरा पसंदीदा त्योहार दिवाली है।	Maza aavadata san diwali aahe.	My favorite festival is Diwali.
दिवाळी मला सुद्धा फार आवडते.	दिवाळी मला सुद्धा फार आवडते.	दिवाली मुझे भी बहुत पसंद है।	Deewali mala suddha far aavadate.	I like Diwali very much.
पण मला होळी जास्त आवडते.	पण मला होळी जास्त आवडते.	लेकिन मुझे होली ज्यादा पसंद है।	Pan mala holi jasta avadate.	But I like Holi more.
होळीमध्ये आम्ही खूप रंग खेळतो.	होळीमध्ये आम्ही खूप रंग खेळतो.	होली में हम खूब रंग खेलते हैं।	Holi madhe amhi khup rang khelato.	We keep on playing colors during Holi.



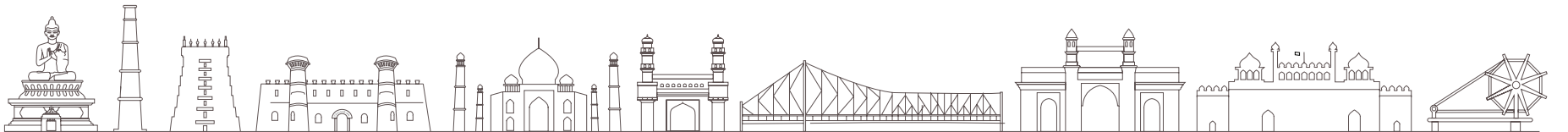
Marathi	Marathi Devanagri	Hindi	Marathi Roman	English
सणामध्ये आम्ही खूप गोड-धोड खातो.	सणामध्ये आम्ही खूप गोड-धोड खातो.	त्योहारों में हम खूब मिठाइयाँ खाते हैं।	Sanamadhe amhi khup god-dhod khato.	We eat a lot of sweets during festivals.
जसं शेवया हे इदचं खास पक्वान्न आहे	जसं शेवया हे इदचं खास पक्वान्न आहे	जैसे, सेवईयाँ ईद का खास पकवान है।	Jasa shevaya he idcha khas pakvanna aahe.	Yes, Seviyan are special dish of Eid.
सणांच्या दिवसांमध्ये जत्रेत फिरायलाही खूप आवडतं.	सणांच्या दिवसांमध्ये जत्रेत फिरायलाही खूप आवडतं.	त्योहारों के समय मेले में घूमना भी बहुत अच्छा लगता है।	Sananchya diwasamadhe jatret firayalahi khup aavadata.	I like to roam around in fairs also during festivals.
हो, मला सुद्धा फिरायला आवडतं.	हो, मला सुद्धा फिरायला आवडतं.	हाँ मुझे भी घूमना पसंद है।	Ho, mala sudha firayala aavadata.	Yes, even I like to move around.
तुझ्या शाळेत स्वातंत्र्य दिवस कसा साजरा करतात?	तुझ्या शाळेत स्वातंत्र्य दिवस कसा साजरा करतात?	आपके स्कूल में स्वतंत्रता दिवस कैसे मनाया जाता है?	Tuzya shalet swatantrya diwas kasa sajara kartat?	How is Independence day celebrated in your school?
आम्ही झेंडा फडकावतो, राष्ट्रगीत म्हणतो, आणि लाडू ही खातो.	आम्ही झेंडा फडकावतो, राष्ट्रगीत म्हणतो, आणि लाडू ही खातो.	हम झंडा फहराते हैं, राष्ट्रगान गाते हैं, लड्डू भी खाते हैं।	Aamhi zenda fadakavato, rashtrageet mhanto, aani ladu hi khato.	We hoist flag, sing the national anthem, and eat laddoos too.



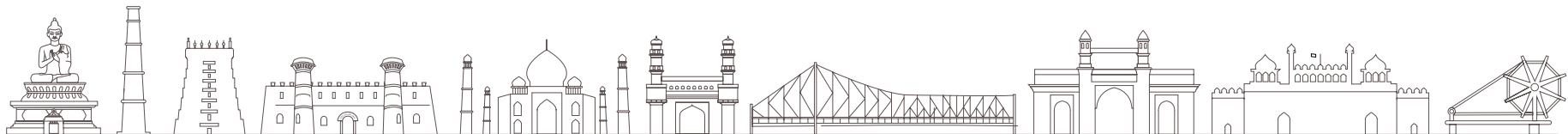
Marathi	Marathi Devanagri	Hindi	Marathi Roman	English
अशाच प्रकारे प्रजासत्ताक दिवस सुद्धा साजरा करतो.	अशाच प्रकारे प्रजासत्ताक दिवस सुद्धा साजरा करतो.	ऐसे ही गणतंत्र दिवस भी मनाते हैं।	Ashach prakare prajasattak diwas suddha sajara karto.	Republic Day is also celebrated in the same manner.
2 ऑक्टोबर गांधी जयंतीला आम्ही स्वच्छता दिवस साजरा करतो.	2 ऑक्टोबर गांधी जयंतीला आम्ही स्वच्छता दिवस साजरा करतो.	2 अक्तूबर को गाँधी जयंती पर हम स्वच्छता दिवस मनाते हैं।	2 October Gandhi Jayantila aamhi svacchata diwas sajra karto.	We celebrate Svacchata Divas on 2nd October Gandhi jayanti.
आमच्याशाळेत मातृभाषा दिवस सुद्धा साजरा करतात , जो दरवर्षी 21 फेब्रुवारी ला असतो.	आमच्याशाळेत मातृभाषा दिवस सुद्धा साजरा करतात, जो दरवर्षी 21 फेब्रुवारी ला असतो.	हमारे स्कूल में मातृभाषा दिवस भी मनाया जाता है जो हरवर्ष 21 फरवरी को होता है।	Aamchya shalet matrubhasha diwas suddha sajara kartat, jo darvarshi 21 February la asto.	We even celebrate Mother tongue day on 21st February.
सोळावा आणि सतरावा दिवस नाते/संबंध	सोळावा आणि सतरावा दिवस नाते/संबंध	सोलहवाँऔरसत्रहवाँदिन रिश्ते/नाते	Solawa diwas Nate/sambandh	Sixteenth & Seventeenth day Relations
तुझ्या घरी कोण-कोण रहातं?	तुझ्या घरी कोण-कोण रहातं?	आपके घर में कौन-कौन रहते हैं।	Tuzya ghari kon-kon rahata?	Who are there at your home?



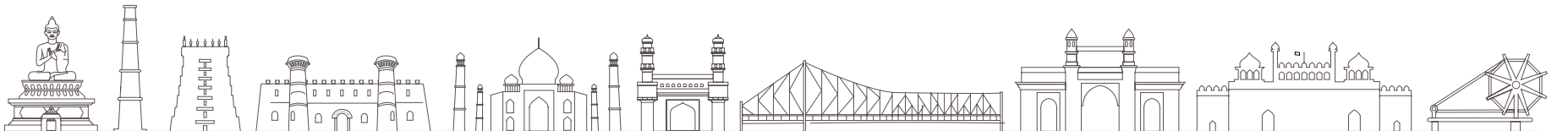
Marathi	Marathi Devanagri	Hindi	Marathi Roman	English
माझ्या घरी आई-वडिल, आजी-आजोबा, काका-काकू आणि माझी बहिण आहे.	माझ्या घरी आई-वडिल, आजी-आजोबा, काका-काकू आणि माझी बहिण आहे.	मेरेघरमेंमाँ-पिताजी, दादा-दादीजी, चाचा- चाचीऔरहमारीबहनहै।	Mazya ghari aai-vadil, aaji-aajoba, kaka- kaku aani mazi bahin aahe	My father, mother, grand father, grand mother, uncle, aunt and my sister are there in my home.
अच्छा, मगतू कधी आपल्या मामाकडे जातोस / जाते का?	अच्छा, मगतू कधी आपल्या मामाकडे जातोस / जाते का?	अच्छा तो क्या आप कभीअपने मामा के घर जाते / जाती हो?	Achha, mag tu kadhi aaplya mamakade jatos / jate ka?	Good. Do you like to visit your maternal uncle's house?
हो, सुट्टीत मी मामाकडे जातो / जाते. तिथे खूप छान वाटतं.	हो सुट्टीत मी मामाकडे जातो / जाते. तिथे खूप छान वाटतं.	हाँ! मैं छुट्टी के दिनों में मामा के घर जाता / जाती हूँ वहाँ बहुत अच्छा लगता है।	Ho, suddit mi mamakade jato/ jate. Tithe khup chan watata.	Yes, I visit my maternal uncle's house during holidays. I feel good there.
तिथे माझे मामा-मामी, मावशी आणि आजी-आजोबा असतात.	तिथे माझे मामा-मामी, मावशी आणि आजी-आजोबा असतात.	वहाँ मेरे मामा-मामी, मौसी और नाना-नानी रहते हैं।	Tithe maze mama- mami, mawashi aani aaji-aajoba asatat.	My maternal uncle- aunt, mother's sister, and grandparents live there.



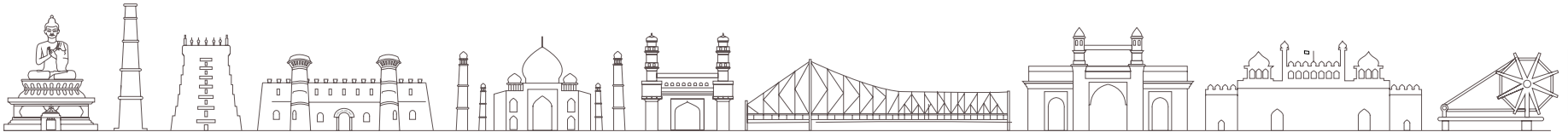
Marathi	Marathi Devanagri	Hindi	Marathi Roman	English
आमची आजी आम्हाला खूप गोष्टी सांगते.	आमची आजी आम्हाला खूप गोष्टी सांगते.	हमारी नानी हमें बहुत कहानियाँ सुनाती हैं।	Aamchi aaji aamhala khup goshti sangte	Our grandmother tells us a lot of stories.
तू सुद्धा आपल्या मामा कडे जाते/ जातो का?	तू सुद्धा आपल्या मामा कडे जाते/ जातो का?	क्या तुम भी अपने मामा के घर जाती/जाते हो?	Tu suddha aaplya mama kade jate/jato ka?	Do you also visit your maternal uncle's house?
हो, मी आपल्या मामा आणि आत्या दोघांच्याही घरी जाते/ जातो.	हो, मी आपल्या मामा आणि आत्या दोघांच्याही घरी जाते/ जातो.	हाँ, मैं तो अपने मामा और बुआ दोनों के घर जाता हूँ।	Ho, mi aaplya mama aani aatya doghanchyahi ghari jato.	Yes, I go to my maternal uncle and paternal aunt's house every year?
माझ्या आत्या कडे एक कुत्रा आणि एक मांजर सुद्धा आहे.	माझ्या आत्या कडे एक कुत्रा आणि एक मांजर सुद्धा आहे.	मेरी बुआ के घर में एक कुत्ता और एक बिल्ली भी है।	Mazya aatyakade ek kutra aani ek manjar suddha aahe.	My aunt has a dog and a cat in her house.
माझ्या घरी तर गाय आणि वासरू आहे.	माझ्या घरी तर गाय आणि वासरू आहे.	मेरे घर में तो गाय और बछड़ा हैं।	Mazya ghari tar gay aani wasaru aahe.	I have a cow and a calf in my house.
माझ्या गावात म्हशी आणि बकर्या पण आहेत.	माझ्या गावात म्हशी आणि बकर्या पण आहेत.	हमारे गाँव में भैंस और बकरियाँ भी हैं।	Mazya gavi mhashi aani bakrya pan aahet.	Goats and buffaloes also live in my village.



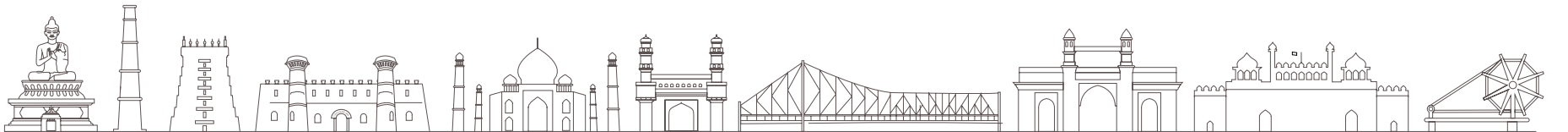
Marathi	Marathi Devanagri	Hindi	Marathi Roman	English
माझ्या घरी एक पोपट होता. एक दिवस तो उडून गेला. मला खूप गंमत वाटली.	माझ्या घरी एक पोपट होता. एक दिवस तो उडून गेला. मला खूप गंमत वाटली.	मेरे घर में एक तोता था। एक दिन वह उड़ गया। मुझे बड़ा मज़ा आया।	Mazya ghari ak popat hota. ek diwas to udun gela. mala khup gammat watali.	I had a parrot in my home. One day it flew away. I really enjoyed it.
अठरावा, एकोणिसावा दिवस यात्रा	अठरावा, एकोणिसावा दिवस यात्रा	अठारहवाँ और उन्नीसवाँ दिन यात्रा	Atharawa aani ekonisawa diwas Yatra	Eighteenth and Nineteenth day Travel
तुम्हाला सुट्टीच्या दिवसांमध्ये कुठे फिरायला आवडतं?	तुम्हाला सुट्टीच्या दिवसांमध्ये कुठे फिरायला आवडतं?	आप स्कूल की छुट्टियों में कहाँ घूमना पसंद करते हैं?	Tumhala suddichya diwasanmadhe kuthe firayla aawadata?	Where do you like to visit during the holidays?
मला उन्हाळ्याच्या सुट्टीत पर्वतीय भागात फिरायला आवडतं.	मला उन्हाळ्याच्या सुट्टीत पर्वतीय भागात फिरायला आवडतं.	मुझे गर्मी की छुट्टियों में पहाड़ों पर घूमना पसंद है।	Mala unhalyachya suddit parvatiya bhagat firayla aavadata.	I like to visit Himalayas during summer holidays.
मग या सुट्टीत कुठे जाणार आहे?	मग या सुट्टीत कुठे जाणार आहे?	तो इन छुट्टियों में कहाँ जाने वाले हो?	Mag ya suddit kuthe janar aahe?	Where are you planning to visit in this vacation.



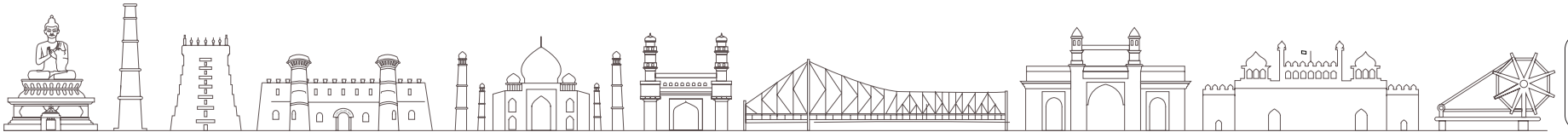
Marathi	Marathi Devanagri	Hindi	Marathi Roman	English
मी तर या सुट्टीत सिक्किम किंवा कश्मीरला जाणार आहे.	मी तर या सुट्टीत सिक्किम किंवा कश्मीरला जाणार आहे.	मैं तो इन छुट्टियों में सिक्किम या कश्मीर जाने वाला हूँ।	Mi tar ya suddit sikkim kiwa kashmirla janar aahe.	I will be visiting either Sikkim or Kashmir in the holidays.
माझी हिवाळ्याच्या सुट्टीत गोवा किंवा अंदमानला जाण्याची इच्छा आहे.	माझी हिवाळ्याच्या सुट्टीत गोवा किंवा अंदमानला जाण्याची इच्छा आहे.	मेरी इच्छा तो सर्दी की छुट्टियों में गोवा या अंडमान जाने की है।	Mazi hiwalyachya suddit goa keeva andaman janyachi ichha aahe.	I would like to go to Goa or Andaman during the winter holidays.
अरे अंदमान तर समुद्रात आहे, तिथे कसे जातात?	अरे अंदमान तर समुद्रात आहे, तिथे कसे जातात?	अरे अंडमान तो समुद्र के अंदर है, वहाँ कैसे जाते हैं?	Are andaman tar samudrat aahe, tithe kase jatat?	Andaman is in Ocean, how do people go there?
तिथे विमानाने किंवा जहाजाने जाता येतं.	तिथे विमानाने किंवा जहाजाने जाता येतं.	वहाँ हवाई जहाज और पानी वाले जहाज दोनों से ही जा सकते हैं।	Tithe vimamane keeva jahajane jata yete	One can go there by a ship or an aeroplane.



Marathi	Marathi Devanagri	Hindi	Marathi Roman	English
विसावा दिवस माझे स्वप्न/ध्येय	विसावा दिवस माझे स्वप्न/ध्येय	बीसवाँ दिन मेरे सपने/लक्ष्य	Visava diwas Svapna/ Dheyya	Twentieth day Dream
तुला शिकून काय बनायचं आहे?	तुला शिकून काय बनायचं आहे?	आप पढ़-लिखकर क्या करना चाहते हैं?	Tulashikun kay banaychaahe?	What do you want to do after studies?
मला तर लेखक / लेखिका बनायची इच्छा आहे.	मला तर लेखक / लेखिका बनायची इच्छा आहे.	मैं लेखक / लेखिका बनना चाहती/चाहता हूँ।	Mala tar lekhak / lekhika banaychi icha aaahe	I want to be a writer.
मी आपल्या घरगुती व्यवसायात मदत करेन.	मी आपल्या घरगुती व्यवसायात मदत करेन.	मैं अपने घरेलू व्यवसाय में सहयोग करूंगा।	Mi aaplya gharguti vyavasayat madat karen.	I want to support our family business.
असं! कोणत्या प्रकारचा व्यवसाय?	असं! कोणत्या प्रकारचा व्यवसाय?	जैसे, किस तरह का व्यवसाय?	Asa! kontya prakarcha vyavsay?	Like what kind of business.
शेतीवाडी व्यवसाय.	शेतीवाडी व्यवसाय.	खेती-बाड़ी का व्यवसाय।	Shetiwadi vyavsay	Farming business



Marathi	Marathi Devanagri	Hindi	Marathi Roman	English
मला राजकारणात जायचं आहे.	मला राजकारणात जायचं आहे.	मैं राजनीति में जाना चाहती/ चाहता हूँ।	Mala rajkarnat jayacha aahe.	I want to join politics.
माझं स्वप्न एवरेस्ट वर जाण्याचं आहे.	माझं स्वप्न एवरेस्ट वर जाण्याचं आहे.	मेरा सपना एवरेस्ट पर जाने का है।	Maza swapna everest war janyacha aahe.	My dream is to climb the Mount Everest.
मला तर सैनिक होण्याची इच्छा आहे.	मला तर सैनिक होण्याची इच्छा आहे.	मैं तो सैनिक बनना चाहती/ चाहता हूँ।	Mala tar sainik honyachi icchha aahe	I want to become a soldier.



Grateful Acknowledgements are made to:

Ratnottama Das, Munshi Md. Younus, Chofia Basumatary, Bharat Bhushan, Sunita Gupta, Sharada, Satyanath, Mohan S. Niklje, Sushma Jatoo, Dhananjaya Kumar Acharya, Parmananda Jha, Reshma, Dabir Prachiti, Usha Joshi, Chakrapani Pokhrel, Ravi Prakash Tekchandani, Tamil Bharathan, Rajendra Mehta, C. Binodini Devi, Prithvi Raj Thapar, Indra Tekchandani, Parmananda Jha, Gayatri, Bishwajit Barua, Sunil Kumar, Rongjali Rabha, Krishna Aryal, Ranjit Behera, Jiten Murmu, Ashok Kumar, Preeti Shukla, M. Kishan, Yasmin Ashraf, Sandhya Singh, Amarendra Behera, Bharti Kaushik, K. C. Tripathi, Sandhya Sahoo, Mohd. Faruq Ansari, Lalchand Ram, Mohd. Moazzamuddin, Sanjay Kumar Suman, Diwan Hannan Khan, Kirti Kapur, Jatindra Mohan Mishra, R. Meganathan, Pramod Kumar Dubey, Chaman Ara Khan, Naresh Kohli, Meenakshi Khar, Ved Prakash Mishra, Neelkanth Kumar, Rajesh K. Nimesh, Suresh Makwana, (Late) S. G. Wadekar, Tarkeshwar Gupta, Abhishek Kumar Singh, Shakuntla, Moti Lal, Raj Roop, Mahesh Kumar Meena, Kiran Arora, Haseen Khan, Ashish Goyal, Munna, Gurindar Kaur, Ravi Ranjan, Shikha Patwa, Amit Kagra, Paromita Raha, Aarif, Chandan Kumar, Neelkanth Pan, Kriti Gautam, Abdur Razzaque Ziyadi, Imtiyaz Ahmad, Mohd. Tameer, Mohd. Fazil, Shabbir Ahmad, Gagan Arora, Rajat Kumar, Anita, Rekha, Nitin Tanwar, Devkee Nandan, Monu Kumar, Ata Hussain, Ashish Kumar, Jitin, Vivek Mandal, Himanshu, Bharti Singh, Megha Sharma, Riya Kumari, Usha Rawat, Karuna Shankar Tiwari, Devendar, Mukesh Vandana Arimardan, Vimlesh Chaudhary, Ajit Horo, Shanu Mukseem, B. Lungdoh, Amit Kumar, Kusumlata, Meenakshi Kukreti, Tanu Gupta, Jagbandhu Jana, Saumya Malik, Mayank kumar, Vikas Sangwan, Vikash K, Radhe Krishna, Saurav, Yogesh, Vivek Gupta, Deepak Bhardwai, Sanjeet Kumar, Payal Bose, Vijay Kumar, Rashik, Nikhil Sharma, Ankit Bairagi, Vipul Pal, Priya Tiwari and Gautami Gautam.

For queries and comments please contact:

The Joint Director
Central Institute of Educational Technology (CIET)
NCERT, New Delhi 110016
E-Mail: jdciet.ncert@nic.in
Phone: 91-11-26962580

The Head
Department of Education in Languages
NCERT, New Delhi 110016
E-Mail: del.ncert@gmail.com
Phone: 91-11-26565336



विद्यया ऽ मृतमश्नुते



एन सी ई आर टी
NCERT

National Council of Educational Research and Training

Sri Aurobindo Marg, New Delhi-110016

Tel: +91-11-26519154 Fax: +91-11-26519159

Email: director.ncert@nic.in